वह हमारे लिए बलिदान बने

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

जब आप किसी जरूरतमंद के प्रति दया दिखाते हैं — चाहे वह भूखा हो, गरीब हो, या टूटे दिल वाला हो —
तो आप सिर्फ दयालुता ही नहीं दिखा रहे होते।
आप असल में उनके दुःख को अपने ऊपर ले रहे होते हैं।
उदाहरण के लिए, अगर किसी के पास खाना नहीं है और आप उसे अपनी थोड़ी सी रोटी देते हैं,
तो आप उसके भूख को अपने ऊपर ले रहे होते हैं।
अगर कोई मौत के खतरे में है और आप उसकी जगह मरने को तैयार हो जाते हैं,
तो आप उसकी मृत्यु उठाते हैं ताकि वह जीवित रह सके।

यही कुछ यीशु मसीह ने मानवता के लिए किया।

हम सभी परमेश्वर के सामने अपराधी थे।
हमारे पाप के कारण, हमारा भाग्य मृत्यु थी।

रोमियों 6:23
“क्योंकि पाप का वेतन मृत्यु है, परन्तु परमेश्वर का अनुग्रह येशु मसीह हमारे प्रभु में जीवन है।”

परन्तु यीशु — जो पाप से रहित थे —

वह हमारे लिए बलिदान बने

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

इब्रानियों 4:15
“क्योंकि हमारे पास ऐसा परमप्रधान पुजारी है, जो हमारी कमजोरियों को समझता है, क्योंकि वह हर तरह से हमारी परीक्षा
में पड़ा, पर पापी न था।”

उन्होंने स्वेच्छा से हमारी दोष, हमारा दुःख, हमारा दंड उठाया ताकि हम स्वतंत्र हो सकें।

यशायाह 53:4-5
“निश्चय ही उसने हमारी पीड़ा उठाई और हमारे दुख सहे… वह
हमारी पापों के कारण घायल किया गया, हमारी अधर्मों के कारण चोटिल।”

वह हमारे स्थान पर बने।
हमें मरने से बचाने के लिए, उसे हमारी जगह मरना पड़ा।
हमें परमेश्वर के न्याय से बचाने के लिए, उसने स्वयं न्याय सहा। यही सुसमाचार का हृदय है — प्रतिनिधि प्रायश्चित की शिक्षा, जहाँ एक निर्दोष व्यक्ति अपराधी की सजा उठाता है।

वह हमारे लिए बलिदान बने

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

2 कुरिन्थियों 5:21
“जिसने पाप नहीं जाना, उसे हमारे लिए पाप बनाया, ताकि हम
उसमें परमेश्वर की धार्मिकता बनें।”

उसके बलिदान से अनुग्रह

यह प्रेम की क्रिया केवल अनुग्रह थी — क्योंकि हमने इसके योग्य नहीं थे, परन्तु उसने दया दिखाने का निर्णय लिया।

2 कुरिन्थियों 8:9
“क्योंकि आप हमारे प्रभु यीशु मसीह की कृपा जानते हैं, कि वह धनवान होते हुए भी, आपके कारण गरीब हो गया, ताकि उसकी गरीबी
से आप धनवान बनें।”

ईश्वरीय न्याय में, किसी को पाप की सजा भुगतनी थी।
या तो हम स्वयं इसे अनंतकाल तक सहेंगे, या कोई निर्दोष व्यक्ति एक बार इसे सहना होगा।
इसी कारण यीशु को दुख सहना और मरना पड़ा।

वह हमारे लिए बलिदान बने

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

यह पुराने नियम के बलिदान प्रणाली से जुड़ा है, जहाँ निर्दोष मेमने को अपराधियों की जगह चढ़ाया जाता था।

लेवीयविधि 16
(यह पूरा अध्याय पाप के मेमने और बलिदान की व्यवस्था बताता
है।)

पर ये बलिदान अस्थायी थे।
यीशु अंतिम मेमना बने, एक बार के लिए।

यूहन्ना 1:29
“देखो, परमेश्वर का मेमना, जो संसार के पाप को दूर करता है।”

मृत्यु पर विजय

चूंकि यीशु ने हमारे पाप को उठाया — और हमारे पाप की सजा अनंत मृत्यु है —

रोमियों 6:23

वह हमारे लिए बलिदान बने

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

“क्योंकि पाप का वेतन मृत्यु है…”

उसे मृत्यु के अधीन रहना चाहिए था।
परन्तु चूंकि वह स्वयं निर्दोष थे, मृत्यु उसे रोक नहीं सकी। उन्होंने पाप, मृत्यु और नरक पर विजय प्राप्त की।

इब्रानियों 9:28
“वैसे ही मसीह एक बार ही कई लोगों के पापों को उठाने के लिए बलिदान हुआ;
जो उसका इंतजार करते हैं, वह बिना पाप के, उद्धार के लिए दूसरी बार प्रकट होगा।”

इसे पुनरुत्थान विजय की शिक्षा कहते हैं।
उनका पुनरुत्थान इस बात का प्रमाण है कि परमेश्वर ने बलिदान स्वीकार कर लिया है,
और मृत्यु का उस पर या किसी भी विश्वासी पर अंतिम अधिकार नहीं है।

रोमियों 4:25
“जिसे हमारे अपराधों के कारण सौंप दिया गया, और हमारी

वह हमारे लिए बलिदान बने

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

धार्मिकता के कारण जीवित किया गया।”

मसीह: बलिदान से न्यायाधीश तक

कल्पना कीजिए, एक व्यक्ति को आजीवन कारावास की सजा मिली है,
पर कोई और उसकी सजा भुगतता है।
फिर आप उस व्यक्ति को आज़ाद देखते हैं —
और अब वह देश का सर्वोच्च न्यायाधीश बना हुआ है।
आप पूछेंगे: क्या हुआ? क्या वह भाग गया?
नहीं — उसने कानूनी रूप से सजा पूरी की और सम्मानित हुआ।

ठीक ऐसा ही यीशु के साथ हुआ।
उन्होंने हमारा मुकदमा संभाला, हमारी सजा ली, मरे, पुनरुत्थित हुए,
और सारी सत्ता प्राप्त की।

मत्ती 28:18
“मुझे स्वर्ग और पृथ्वी में सारी सत्ता दी गई है।”

अब वह केवल हमारे उद्धारकर्ता नहीं हैं —

वह हमारे लिए बलिदान बने

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7

वह हमारे न्यायाधीश भी हैं।

प्रेरितों के काम 10:42
“और उन्होंने हमें आज्ञा दी कि हम लोगों को उपदेश दें,
कि यहीं परमेश्वर द्वारा जीवितों और मृतकों का न्यायाधीश नियुक्त किया गया है।”

पर यह अनुग्रह अपने आप नहीं मिलता

हालांकि यीशु सभी के लिए मरे, सबकी मुक्ति नहीं होगी। क्यों? क्योंकि सब उद्धार स्वीकार नहीं करते।
परमेश्वर ने हर व्यक्ति को स्वतंत्रता दी है कि वह जीवन या मृत्यु चुने।

व्यवस्थाविवरण 30:15
“देखो, मैंने आज तुम्हारे सामने जीवन और भला, मृत्यु और बुरा रखा है।”

यीशु संसार का प्रकाश हैं, पर कई लोग प्रकाश को नकारते हैं

वह हमारे लिए बलिदान बने

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 8

क्योंकि वे अपने पाप को पसंद करते हैं।
यह मानव जिम्मेदारी की शिक्षा है — हमें उस अनुग्रह पर विश्वास करना होगा जो दिया गया है।

यूहन्ना 3:19-20
“और यही निन्दा है, कि प्रकाश संसार में आया,
पर लोग अंधकार से अधिक प्रेम करते थे…
क्योंकि जो बुराई करता है वह प्रकाश से नफरत करता है।”

आपको क्या करना चाहिए?

यदि आपने अपना जीवन मसीह को नहीं सौंपा है, तो अब समय है।
पहला कदम पश्चाताप है — पाप के लिए सच्चा दुःख और उससे दूर जाने का निर्णय।
अगला कदम बपतिस्मा है, जैसा कि शास्त्र में आदेश है:

प्रेरितों के काम 2:38
“तब पतरस ने उनसे कहा, ‘तुम सब पश्चाताप करो, और यीशु मसीह के
नाम पर बपतिस्मा लो,
ताकि तुम्हारे पापों का क्षमा हो, और तुम पवित्र आत्मा का वरदान पाओ।’”

वह हमारे लिए बलिदान बने

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 9

यह नया जन्म है,

यूहन्ना 3:3-5
जहाँ आपके पाप धो दिए जाते हैं, और पवित्र आत्मा आपके अंदर आकर आपको पवित्रता में चलने में मदद करता है।

जब आप ऐसा करते हैं, तो आपके पाप आपके खिलाफ नहीं गिने जाते। यीशु आपको उन लोगों में गिनता है जिन्हें वह छुड़ाता है।
आप आने वाले न्याय से मुक्त हैं जो पूरी पृथ्वी पर होगा।

यीशु आपके पाप का बलिदान बने।
उन्होंने आपका बोझ उठाया ताकि आप मुक्त हो सकें।
वे फिर से जी उठे ताकि आप अनंत काल जीवित रहें।
अब वे आपको जवाब देने के लिए बुला रहे हैं।

प्रकाश चुनें। जीवन चुनें। यीशु चुनें।

रोमियों 10:9
“यदि तुम अपने मुख से यह स्वीकार कर लो कि यीशु प्रभु हैं, और अपने दिल से विश्वास करो कि परमेश्वर ने उन्हें मृतकों में से जीवित किया, तो तुम उद्धार पाओगे।”

वह हमारे लिए बलिदान बने

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 10

प्रभु आपका आशीर्वाद करें जैसे आप इस सत्य में विश्वास करते हैं और उस पर चलते हैं।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp